अनुसंधान – २००३ (०४) २३

संपादक - विजयशीलचन्द्रसूरि

मुख्य टाइटल

निवेदन

अनुक्रमणिका

उपाध्याय श्रीसकलचन्द्रगणिविरचितः श्रुतास्वादः – सं. विजयशीलचन्द्रसूरि -------------------------- १

चार जिनस्तुतिओ – सं. मुनि धुरन्धरविजय ---१८

नाना-छन्दोमय-श्रीनेमिनाथस्तवन – सं. मुनि विमलकीर्तिविजय ---------------------------------- २४

श्रीरविसागरगणिकृता कुमारसम्भवादिमहाकाव्यचतुष्करीत्या स्तोत्रचतुष्टयी – सं.
विजयशीलचन्द्रसूरि --- ३०

च्यार ध्यान विचार लेश – सं. डॉ. मालती के. शाह --- ४७

बलदेवमुनिनी सज्झाय – सं. डॉ. रसीला कडिया --- ५७

कोठारीपोळना चिन्तामणि पार्श्वनाथनुं स्तवन – सं. डॉ. रसीला कडिया ---------------------------- ६०

रतनगुरुरास – सं. डॉ. रसीला कडिया --- ६३

स्त्रीतीर्थंकर मल्लिनाथनी प्रतिमाओ – विजयशीलचन्द्रसूरि -- ६९

अनुसन्धान-२१ नुं विहंगावलोकन – मुनि भुवनचन्द्र -- ७२

अनुसन्धान-२२ नुं विहंगावलोकन – मुनि भुवनचन्द्र -- ७४

स्वाध्याय – श्रीराजशेखरसूरिकृत प्रबन्धकोश गत केटलीक नोंधपात्र वातो – विजयशीलचन्द्रसूरि ---- ७९

माहिती – नवां प्रकाशनो --- ८८

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org